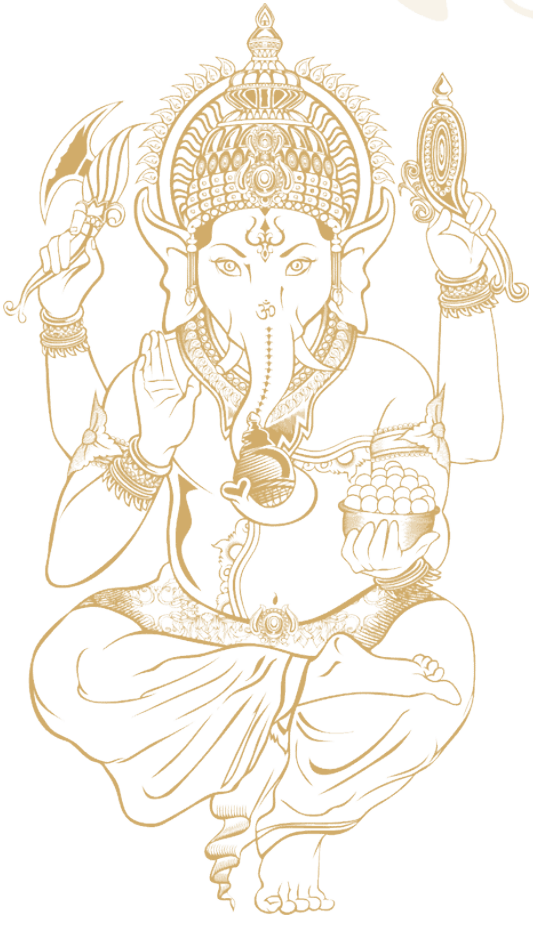

Umesh Yadav

19 Jun 1982

12:45 AM

Alwar

Model: web-freekundliweb

Order No: 121784013

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**18-19/06/1982**
दिन	शुक्र-शनिवार
जन्म समय	**00:45:00 घंटे**
इष्ट	48:11:20 घटी
स्थान	**Alwar**
राज्य	Rajasthan
देश	India

अक्षांश	27:32:00 उत्तर
रेखांश	76:35:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:23:40 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	00:21:20 घंटे
वेलान्तर	-00:00:57 घंटे
साम्पातिक काल	18:08:08 घंटे
सूर्योदय	05:28:27 घंटे
सूर्यास्त	19:20:55 घंटे
दिनमान	13:52:28 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	ग्रीष्म
सूर्य के अंश	03:36:10 मिथुन
लग्न के अंश	09:15:05 मीन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मीन - गुरु
राशि-स्वामी	**मेष - मंगल**
नक्षत्र-चरण	**भरणी - 4**
नक्षत्र स्वामी	शुक्र
योग	सुकर्मा
करण	तैतिल
गण	मनुष्य
योनि	गज
नाड़ी	मध्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	चतुष्पाद
वर्ग	मृग
युँजा	पूर्व
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	लो-लोकेश
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मिथुन

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मीन	09:15:05	507:56:58	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	शुक्र	---
सूर्य			मिथु	03:36:10	00:57:18	मृगशिरा	4	5	बुध	मंगल	शुक्र	सम राशि
चंद्र			मेष	25:42:19	14:41:19	भरणी	4	2	मंगल	शुक्र	बुध	सम राशि
मंगल			कन्या	14:27:51	00:21:50	हस्त	2	13	बुध	चंद्र	गुरु	शत्रु राशि
बुध			वृष	13:53:50	00:22:06	रोहिणी	2	4	शुक्र	चंद्र	गुरु	मित्र राशि
गुरु	व		तुला	06:57:00	00:01:37	स्वाति	1	15	शुक्र	राहु	राहु	शत्रु राशि
शुक्र			मेष	28:28:58	01:10:36	कृतिका	1	3	मंगल	सूर्य	मंगल	सम राशि
शनि			कन्या	21:53:25	00:00:02	हस्त	4	13	बुध	चंद्र	शुक्र	मित्र राशि
राहु	व		मिथु	19:47:35	00:02:00	आर्द्रा	4	6	बुध	राहु	मंगल	उच्च राशि
केतु	व		धनु	19:47:35	00:02:00	पूर्वाषाढ़ा	2	20	गुरु	शुक्र	राहु	उच्च राशि
हर्ष	व		वृश्चि	07:59:40	00:02:10	अनुराधा	2	17	मंगल	शनि	केतु	---
नेप	व		धनु	02:01:05	00:01:37	मूल	1	19	गुरु	केतु	शुक्र	---
प्लूटो	व		तुला	00:34:40	00:00:31	चित्रा	3	14	शुक्र	मंगल	बुध	---
दशम भाव			धनु	08:15:19	--	मूल	--	19	गुरु	केतु	गुरु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:36:26

लग्न-चलित

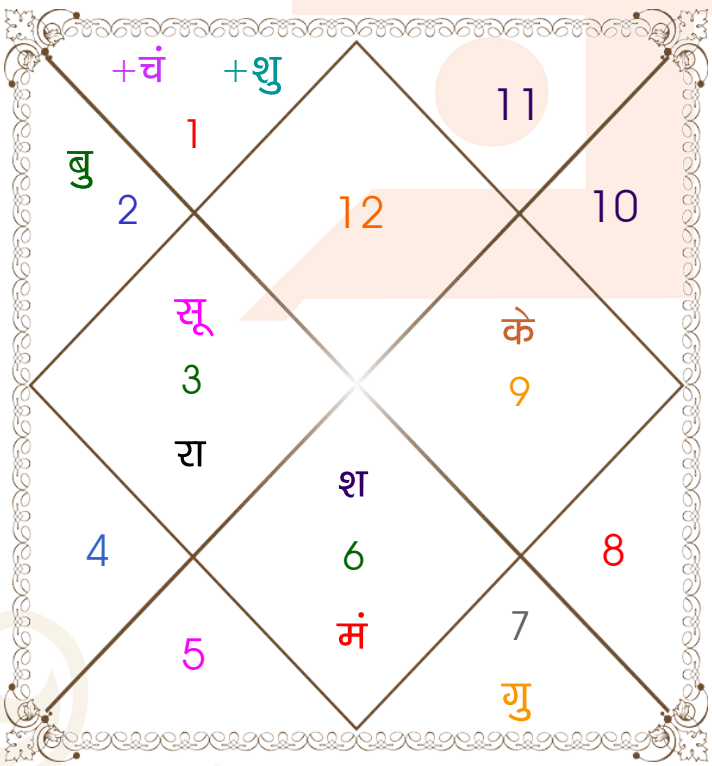

चन्द्र कुंडली

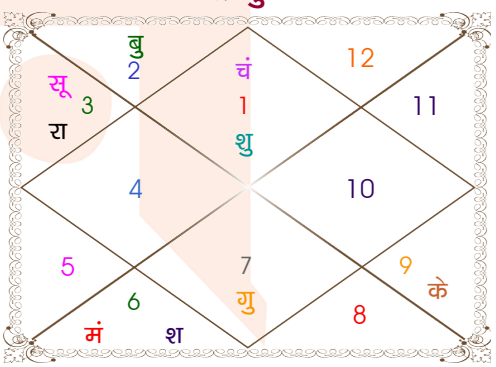

नवमांश कुंडली

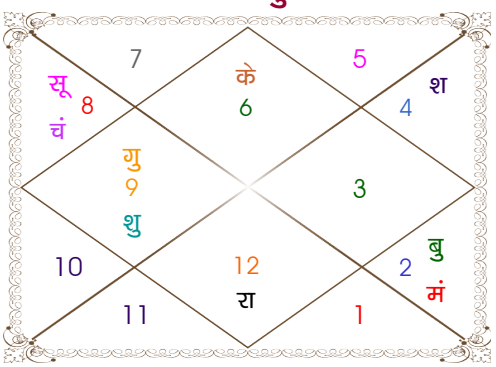

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शुक्र 1 वर्ष 5 मास 9 दिन

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
19/06/1982		27/11/1983		27/11/1989		27/11/1999		27/11/2006	
27/11/1983		27/11/1989		27/11/1999		27/11/2006		27/11/2024	
	00/00/0000	सूर्य	16/03/1984	चंद्र	27/09/1990	मंगल	24/04/2000	राहु	09/08/2009
	00/00/0000	चंद्र	14/09/1984	मंगल	28/04/1991	राहु	13/05/2001	गुरु	03/01/2012
	00/00/0000	मंगल	20/01/1985	राहु	27/10/1992	गुरु	19/04/2002	शनि	09/11/2014
	00/00/0000	राहु	15/12/1985	गुरु	26/02/1994	शनि	29/05/2003	बुध	28/05/2017
	00/00/0000	गुरु	03/10/1986	शनि	27/09/1995	बुध	25/05/2004	केतु	16/06/2018
	00/00/0000	शनि	15/09/1987	बुध	26/02/1997	केतु	21/10/2004	शुक्र	15/06/2021
	19/06/1982	बुध	22/07/1988	केतु	27/09/1997	शुक्र	21/12/2005	सूर्य	10/05/2022
बुध	27/09/1982	केतु	27/11/1988	शुक्र	29/05/1999	सूर्य	28/04/2006	चंद्र	09/11/2023
केतु	27/11/1983	शुक्र	27/11/1989	सूर्य	27/11/1999	चंद्र	27/11/2006	मंगल	27/11/2024

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
27/11/2024		27/11/2040		27/11/2059		27/11/2076		27/11/2083	
27/11/2040		27/11/2059		27/11/2076		27/11/2083		00/00/0000	
गुरु	15/01/2027	शनि	30/11/2043	बुध	25/04/2062	केतु	25/04/2077	शुक्र	29/03/2087
शनि	28/07/2029	बुध	09/08/2046	केतु	22/04/2063	शुक्र	25/06/2078	सूर्य	28/03/2088
बुध	03/11/2031	केतु	18/09/2047	शुक्र	20/02/2066	सूर्य	31/10/2078	चंद्र	27/11/2089
केतु	09/10/2032	शुक्र	18/11/2050	सूर्य	27/12/2066	चंद्र	01/06/2079	मंगल	27/01/2091
शुक्र	10/06/2035	सूर्य	31/10/2051	चंद्र	28/05/2068	मंगल	28/10/2079	राहु	27/01/2094
सूर्य	28/03/2036	चंद्र	31/05/2053	मंगल	25/05/2069	राहु	14/11/2080	गुरु	27/09/2096
चंद्र	28/07/2037	मंगल	10/07/2054	राहु	12/12/2071	गुरु	21/10/2081	शनि	27/11/2099
मंगल	04/07/2038	राहु	16/05/2057	गुरु	19/03/2074	शनि	30/11/2082	बुध	20/06/2102
राहु	27/11/2040	गुरु	27/11/2059	शनि	27/11/2076	बुध	27/11/2083		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शुक्र 1 वर्ष 5 मा 3 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म उत्तरा भाद्रपद नक्षत्र के द्वितीय चरण में मीन लग्न में हुआ था। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर कन्या का नवमांश एवं मीन का द्रेष्काण भी उदित था। इस संबंधित लग्नादिक ज्योतिषीय आकृति आपके जीवन को धन संपत्ति से युक्त आमोद-प्रमोद एवं हर्षोल्लास से परिपूर्ण आनंदमय जीवन बिताने के साधनों से युक्त करता है।

प्रायः हर दशा में ज्योतिषीय प्रभाव आपका पक्षधर है। यदि आप अपने हस्तगत कार्य व्यवसाय को समय पर सुव्यवस्थित ढंग एवं समर्पण की भावना से संपादित कर लिए तो आपका जीवन सफल होने की संभावना है, बर्शेते कि आप सकारात्मक ढंग से कार्यो का संपादन करें। फलस्वरूप यह आपके लिए उन्नति कारक होगा। इस दृष्टिकोण से यह आवश्यक है कि आप वासनात्मक प्रवृति को बहुत महत्त्व देकर इन कार्यो से संबंधित रहते है। यदि आप इस प्रवृति हेतु सतर्कता नहीं बरतें तो यह वासना आपको मिट्टी पलीत कर देगा। अर्थात् आपका विनाश कर देगा। आप इनका उन्मूलन करें अन्यथा इस उत्तेजना के कारण आपके जीवन की ललिमा नष्ट हो जाएगी तथा इस प्रवृति के कारण मात्र आपका परिवार ही अस्त-व्यस्त नहीं हो जाएगा। बल्कि यह आपको अकर्मण्य बना कर आपकें कार्य कलाप से भी दिशा हीन बना देगा। परंतु यदि आप इस प्रवृत्ति को समाप्त कर दिए तो आप बहुत अच्छी प्रकार उन्नति कर सकेंगे। आप धन संचय कर सकेंगे। इस प्रकार आप मात्र अपने उपार्जन को ही नहीं बढ़ाएंगे, बल्कि आप धन संपत्ति भी सर्वथा अर्जित करेंगे। आपमें ऐसी क्षमता है कि आप अपने प्रतिपक्षी को परास्त कर देंगे जो कि आपके कार्य-व्यवसाय को नष्ट करने का प्रयास करेगा।

आप मात्र एक सुखद एवं अभिमंत्रित भवन के स्वामी होंगे। बल्कि हर दशा में अपने मित्रों के अपना कर अपनी मित्र मंडली का विस्तार करेंगे। आप समाजिक क्लब के सदस्य होंगे। आप अपनी भद्रता एवं अतिथ्य सत्कार के कारण अपने मित्र मंडली में प्रख्यात भी होंगे। परंतु आपको कुछ समस्याओं से मुठ-भेड़ भी करना पड़ेगा। आप अन्य लोगों के लिए किसी प्रकार का कष्ट नहीं पहुंचाने वाले बल्कि अतिशय विश्वास पात्र हैं। आप किसी के भी साथ सामंजस्य एवं सकारात्मक फल प्राप्ति की उत्कंठा रखते हैं। जब आप किसी भी मित्र के साथ प्रतिज्ञा करते हैं उसे बहुत अच्छी प्रकार निभाते हैं। परंतु क्या वे इस प्रकार पीछें भी लौट सकते है। नहीं। वास्तव में संयोगवश ऐसा कुछ घटित हो जाए उस परिस्थिति में जो आपसे संबंधित है। वे लोग आपकी आवश्यकता के समय अथवा जरूरत पड़ने पर अपने कार्य को त्याग कर आपके पक्ष में अपना योगदान करते हैं। अतएव आप उन पर अत्यंत भरोसा कर के अन्यों को उपेक्षित अथवा वहिष्कृत कर देते हैं।

यदि आप सतर्कता पूर्वक मर्यादित पथ पर चलते हैं तो आपके पारिवारिक सदस्य तथा सामान्य जन आपके गुणों एवं साहसिक प्रवृति तथा दानशीलता हेतु आपकी प्रशंसा करेंगे। आप धार्मिक प्रवृति के प्राणी हैं। आप तीर्थ स्थलों का परिदर्शन करेंगे एवं पौढ़ावस्था में आप भक्ति के प्रदर्शन में अभिरूचि रखेंगे तथा धर्म-दर्शन एवं पराविज्ञान में दक्ष हो जाएंगे। आप इस विषय में बहुत अधिक ज्ञानार्जन कर सकते हैं। यदि आप चयन करेंगे तो कोई छोटा धर्मोपदेशक भी बन सकते हैं।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में अनुकूल दिन गुरुवार, मंगलवार एवं रविवार का दिन उत्तम हैं। शेष साप्ताहिक तीन दिन यथा बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन सामान्य फलदायी है।

आपके लिए अंकों में उत्तम एवं विश्वसनीय अंक 1, 3, 4 एवं 9 अंक है। परंतु हर दशा में 8 अंक अनुकूल नहीं है।

आपके लिए रंगों में रंग पीला, लाल, गुलाबी एवं नारंगी रंग आपके लिए अनुकूल हैं। परंतु नीला रंग आपके लिए किसी भी दशा में अनुकूल नहीं है।